

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME**

**Term-End Examination**

**June, 2012**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-004 : RELIGIONS OF THE WORLD**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- 
- Note :* (i) *Answer all five questions.*  
(ii) *All questions carry equal marks.*  
(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
- 

1. Give a detailed description of the metaphysical theories of religion with special reference to theism, deism and pantheism. 20

**OR**

What is religious experience ? Describe its nature and significance. 20

2. Discuss in detail ashtanga marga as means to dukha nirodha. 20

**OR**

What is the Hindu notion of liberation (moksha) ? What are the different paths leading to it ? 20

3. Answer *any two* of the following in about 200 words each :

- (a) What do you understand by tribal world - view ? Discuss. 10
- (b) Explain the relation between religion and morality. 10
- (c) Describe the dasa (ten) sila of Buddhism. 10
- (d) Elucidate the mahapanca vrata of Jainism. 10

4. Answer *any four* of the following in about 150 words each :

- (a) What do you understand by religious plurality ? 5
- (b) Explains the concept of 'the kingdom of God'. 5
- (c) Differentiate Digambaras and stwetambaras. 5
- (d) What are the ratnatraya of Jainism ? 5
- (e) Explain the Sikh understanding of Guru Granth Sahib. 5
- (f) Explain the basic beliefs of Confucianism. 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each :

- |                  |   |
|------------------|---|
| (a) Purana       | 4 |
| (b) Tirthankaras | 4 |
| (c) Asteya       | 4 |
| (d) Ahimsa       | 4 |
| (e) Sangat       | 4 |
| (f) Kami         | 4 |
| (g) Totemism     | 4 |
| (h) Yin - Yang   | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

दर्शन शास्त्र (वैकल्पिक)

बी.पी.वाई.-004 : विश्व के धर्म

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) पहले एवं दूसरे प्रश्नों में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. देववाद, ईश्वरवाद और सर्वेश्वरवाद के विशेष सन्दर्भ में धर्म 20 के तत्वमीमांसीय सिद्धांतों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

अथवा

धार्मिक अनुभव क्या है? इसके स्वरूप एवं महत्व का वर्णन 20 कीजिए।

2. दुःख निरोध मार्ग के रूप में अष्टांग मार्ग की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

हिन्दु धर्म के अनुसार 'मोक्ष' क्या है? इसे प्राप्त करने के विभिन्न 20 मार्गों का वर्णन कीजिए।

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होना चाहिए।

- (a) जनजातीय विश्व-दृष्टि को स्पष्टतः समझाइये। 10
- (b) धर्म एवं नैतिकता के मध्य सम्बंध का वर्णन कीजिए। 10
- (c) बुद्ध धर्म में प्रस्तुत दस 'शील' का उल्लेख कीजिए। 10
- (d) जैन धर्म के उल्लेखित 'महापंचव्रत' की व्याख्या कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए।

- (a) धार्मिक बहुलवाद से क्या तात्पर्य है? समझाइए। 5
- (b) 'ईश्वर का साम्राज्य' को स्पष्ट कीजिए। 5
- (c) दिगम्बर और श्वेताम्बर में अन्तर का उल्लेख कीजिए। 5
- (d) जैन धर्म के 'रत्नत्रय' की व्याख्या कीजिए। 5
- (e) सिक्ख धर्म के अनुसार 'गुरु ग्रन्थ साहिब' का वर्णन कीजिए। 5
- (f) कन्फ़्युशियुवाद की मुख्य मान्यताओं का उल्लेख कीजिए। 5

5. किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त (लगभग 100 शब्द) टिप्पणियाँ लिखिए।

- |              |   |
|--------------|---|
| (a) पुराण    | 4 |
| (b) तीर्थकर  | 4 |
| (c) अस्तेय   | 4 |
| (d) अहिंसा   | 4 |
| (e) संगत     | 4 |
| (f) कामी     | 4 |
| (g) टोटेमवाद | 4 |
| (h) येन-यांग | 4 |
-